



# **SANKALP**

A pledge to change...

**Reg. No: 0366/12-13**

**Website:** <http://www.sankalpnitjamshedpur.org>

**Email ID:** [contact@sankalpnitjamshedpur.org](mailto:contact@sankalpnitjamshedpur.org)

**Contacts:** +91-9471340880 (President)

+91-7739836960(Academic)

+91-8863081994(Finance)

A beautiful poem on Sankalp – A Pledge to Change and its motto written by one of the members of Sankalp, Anand Raj of 2012 undergraduate batch. An inspiration for all of us.

जन जन को शिक्षित करके,  
उसे मानवता सिखलाने का।  
संकल्प है एक अद्भुत प्रयास,  
शिक्षा की ज्योति जगाने का।

संकल्प है एक योजना-शिक्षा के उत्थान का,  
संकल्प है एक प्रेरणा-निःस्वार्थ शिक्षा दान का,

संकल्प एक मिसाल है,  
हम सब की कार्यकुशलता का।  
हो प्रगतिशील, ये छु रहा,  
सीढ़ियां नयी सफलता का।

संकल्प एक कोशिश है,  
कुछ अच्छा कर दिखलाने का।  
मानव समाज को शिक्षा पथ पर,  
कुछ आगे ले जाने का।

किंचित् अभाव में रहकर के,  
जो है शिक्षा से दूर रहे।  
ये जोड़ रहा उसे नित प्रतिदिन,

जिनमें शिक्षा की ललक दिखे।

जो आगे बढ़ना चाहे पर,  
अवसर जिसको प्रतिकूल मिले।  
ये उसी जड़ों में जल देता,  
जिसमें आगे चल फूल खिले।

शिक्षा एक अधिकार है अब,  
ढूँढता जिसे, जन जन है।  
ज्यादा से ज्यादा शिक्षित हो,  
संकल्प का यही प्रण है।

आओ मिलकर संकल्प करें,  
एक ऐसा देश बनाने का।  
जिसके हर बच्चे काबिल हों,  
कल सुशिक्षित कहलाने का।

हमें चाहिए बस केवल,  
सहयोग जागरूक जन से।  
हिस्सा बनकर, सहयोग करें,  
तन से, मन से या धन से।